राष्ट्रीय रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत नानाजी देशमुख वेटनरी सांइस यूनिर्वसिटी जबलपुर महाविद्यालय में कार्यरत कर्मचारी एवं अध्ययनरत छात्र–छात्राओं का ARV प्री–एक्सपोजर प्रोफायलेक्सीस टीकाकरण का समापन।

रेबीज एक जूनोटिक विषाणु जनित बीमारी है। यह बीमारी आमतौर पर बीमार ग्रसित कुत्ते या अन्य जंगली जानवरों के काटने से फैलती है। रेबीज़ भारत में व्यापक रुग्णता और मृत्यु दर के लिए जिम्मेदार है। यह बीमारी पूरे देश में स्थानिक है। गोआ, अंडमान और निकोबार और लक्षद्वीप द्वीप समूह को छोड़कर, पूरे देश में रेबीज के मानव मामले सामने आते हैं। ये मामले पूरे साल भर होते रहते हैं। लगभग 96: मृत्यु दर और रुग्णता कुत्ते के काटने से जुड़ी है। भारत सरकार द्वारा जारी नेशनल एक्शन प्लान फार डाग मीडिएटेड रेबीज ऐलिमिनेशन (एनएपीआरई) दिशा–निर्देश अंतर्गत पशुओं के साथ सीधे संपर्क में रहने वाले व्यक्तियों को उच्च जोखित समूह की श्रेणी में रखते हुये अनिवार्य प्री–एक्सपोजर प्रोफायलेक्सीस का उल्लेख किया गया है।

इसी क्रम में नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. सीता प्रसाद तिवारी के मार्गदर्शन एवं पशु चिकित्सा विज्ञान एवं पशु पालन महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आर.के. शर्मा एवं जबलपुर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय मिश्रा के दिशा निर्देशन में जबलपुर महाविद्यालय के 77 वां स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 9 जुलाई 2024 से टीकाकरण शिविर का आयोजन शुरू किया गया, जिसमें महाविद्यालय में कार्यरत कर्मचारी एवं अध्ययनरत छात्र–छात्राओं को ARV प्री–एक्सपोजर प्रोफायलेक्सीस का तीसरा टीका आज 30 जुलाई को लगाया गया । ज्ञात हो कि एआरव्ही (ARV) प्री–एक्स्पोज़र प्रोफायलेक्सीस टीके प्रति व्यक्ति को 9, 16 एवं 30 जुलाई को लगाए गए। समस्त लाभार्थी को टीकाकरण पश्चात् कार्ड प्रदाय किया गया।

टीकाकरण शिविर में मुख्य रूप से रजिस्ट्रार डॉ श्रीकांत जोशी, पशु औषधि विभाग प्रमुख डॉ देवेंद्र गुप्ता, सर्जरी विभाग प्रमुख डॉ अपरा साही एवं गायनाइकोलोजी विभाग प्रमुख डॉ. सत्य निधि शुक्ला उपस्थित रहे। शिविर के सफलतापूर्वक संचालन में एनआरसीपी नोडल डॉ. रणवीर

सिंह जाटव, सहायक नोडल डॉ. संजय शुक्ला, डॉ. बृजेश सिंह, डॉ. भावना गुप्ता, डॉ. मनीष जाटव, पीएचडी छात्र डॉ. आदित्य प्रताप वहीं स्वास्थ्य विभाग की ओर से एम एंड ई ओ श्रीया अवस्थी, डॉ. सुलोचना पटेल, पाथ फाउंडेशन से डॉ. फयीमुद्दीन मंसूरी, नर्सिंग ऑफिसर रोशनी अहिरवार, सत्यप्रकाश शुक्ला, शिवम पांडेय एवं अंजना लोधी का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर